Class V
Subject: Hindi

1. भाषा और व्याकरण
(Language and Grammar)

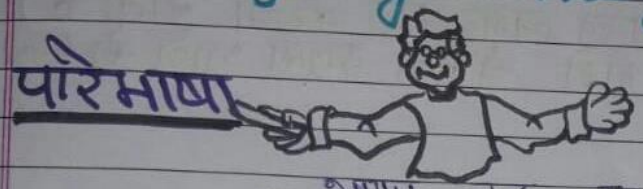

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर और लिखकर प्रकट करता है। वह भाषा के द्वारा, दूसरों के भावों और विचारों को सुनकर और पढ़कर जानता है।

भाषा के रूप

1. भाषा का प्रयोग हम निम्नलिखित दो प्रकार से करते हैं-

1. **भाषा का मौखिक रूप** - जब दो या दो से अधिक व्यक्ति बोलकर अपने मन के भावों या विचारों को एक-दूसरे पर प्रकट करते हैं, तो उसे भाषा का मौखिक रूप कहते हैं;

जैसे - नेताजी बोल कर भाषण दे रहे हैं।

Date: / /
Page:

२. **भाषा का लिखित रूप** – मनुष्य जब अपने मन के भावों या विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, तब उसे भाषा का लिखित रूप कहते हैं; जैसे – मनोज पत्र लिख रहा है।

→ **याद रखने हेतु** – भाषा के इन दोनों माध्यमों के अतिरिक्त संकेतों द्वारा भी भाव प्रकट करने का प्रयत्न किया जाता है;
जैसे – १. भूख लगने पर बच्चा रोता है।
२. गूँगे संकेतों द्वारा भावों को प्रकट करते हैं।

अभ्यास हेतु

1. नीचे लिखे वाक्यों के सामने मौखिक या लिखित, जो उचित हो, लिखो –

क. दादी ने कहानी सुनाई।
ख. रजनी पत्र लिख रही है।
ग. माताजी ने समझाया।
घ. प्रेमचंद ने कहानी लिखी।

धन्यवाद